अमावस्या व्रत कथा PDF

एक नगर में एक गरीब ब्राह्मण परिवार रहता था। उसके घर में एक पुत्री थी, जो बहुत ही सुन्दर थी। लेकिन उसकी शादी नहीं हो रही थी। एक दिन एक साधु उसके घर आया और उस कन्या की सेवा से प्रसन्न होकर उसका हाथ देखा। उन्होंने बताया कि उनके हाथ में विवाह रेखा नहीं है।

साधु ने बताया कि एक गांव में सोने की धुलाई होती है। यदि यह कन्या उसकी सेवा करे और वह इस कन्या के विवाह के समय अपने मांग का सिंदूर इस कन्या को लगा दे तो इसका विधवापन दूर हो जाएगा। तब ब्राह्मण पिता ने पुत्री को धोबी की सेवा करने को कहा। पिता के कथन के अनुसार वह लड़की रोज सुबह सोना धोबन के घर जाती थी और उसके घर की साफ–सफाई के साथ सारा काम करके वापस घर आती थी।

सोना धोबन ने बहू से कहा कि आजकल तुम घर का काम बहुत जल्दी कर लेती हो, पता भी नहीं चलता। फिर उसने कहा कि वह कोई काम नहीं करती। पता नहीं ये सब कौन करता है अगले दिन से सास–बहू निगरानी करने लगीं। काफी देर बाद सोना धोबन ने उस लड़की को पकड़ लिया और उससे पूछा कि तुम इतने दिनों से मेरे यहां ये सब काम क्यों कर रही हो। फिर उसने सोना धोबन को सारी बात बताई। सोने की धुलाई की जाती है।

जैसे ही उसने अपना सिंदूर उस कन्या की मांग में लगाया, उसके पति की मृत्यु हो गई। वे कई दिनों से बीमार थे। एक ब्राह्मण परिवार के घर से लौटते समय सोना धोबन ने 108 ईंटों की भंवरी रास्ते में पड़ने वाले पीपल के पेड़ को दी और उसकी 108 बार परिक्रमा की। इसके बाद पानी पिया। उस दिन वह सुबह से उपवास कर रही थी और बिना पानी पिए थी। पीपल की परिक्रमा करते ही उसका पति जीवित हो गया। उस दिन सोमवती अमावस्या थी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो महिला सोमवती अमावस्या से भंवरी देने की परंपरा शुरू करती है और हर अमावस्या को भंवरी देती है। उसके सुख–सौभाग्य में वृद्धि होती है।

pdfinbox.com